TOPIC- SAMPLING TECHNIQUES
प्रतिचयन प्रविधियाँ

Camlin Page
Date 10 : 05 : 20

आवश्यक है कि अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन की जनसंख्या से किसी प्रतिनिधित्व प्रतिदर्श का चयन करें जिससे प्रतिदर्श से प्राप्त परिणामों का तर्कसंगत ढंग से जनसंख्या के लिए सामान्यीकरण किया जा सके।

प्रतिदर्श के प्रतिनिधित्व होने अथवा नहीं होने का प्रश्न उठने का प्रमुख कारण सामाजिक व व्यावहारिक विज्ञानों में प्रयुक्त जनसंख्याओं की विभिन्न इकाइयों में काफी वैभिन्नता (wide diversity) का होता है।

(i) समजातीय जनसंख्या (Homogeneous Population)
किसी तत्व, यौगिक या मिश्रण के सभी कण अथवा किसी व्यक्ति के खून की सभी बूंदें अथवा किसी खेत में उत्पादित गेहूँ के ढेर के सारे दाने लगभग एक समान होते हैं। जिसके कारण इनकी केवल एक-दो इकाई से अपनी अपनी जनसंख्या का उचित ढंग से प्रतिनिधित्व करने में समर्थ होती है। ये समजातीय जनसंख्या कहे जाते हैं।

(ii) विषमजातीय जनसंख्या (~~Homogeneous~~ Heterogeneous Population)
जैसे किसी ~~क्लास~~ में समूह के छात्रों की ऊँचाई, भार, सम्पत्ति, बुद्धि या व्यक्तित्व या रुचियाँ आदि एक दूसरे से पर्याप्त भिन्न होती है। इस प्रकार की जनसंख्या से ऐसे प्रतिदर्श का चयन करना अपेक्षाकृत कठिन हो जाता है जो अपनी जनसंख्या का उचित ढंग से प्रतिनिधित्व कर सके। कोई प्रतिदर्श अपनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व कर रहा है अथवा नहीं इसका पूर्ण यथार्थ ढंग से निर्धारण करना लगभग असम्भव सा कार्य है। ऐसा करने के लिए प्रतिदर्श तथा जनसंख्या दोनों की ही विशेषताओं का पूर्ण ज्ञान आवश्यक है।

Scanned with CamScanner